

经历神 — 在灵里

F大调

3/4

1 3 3 3 | 3-3 | 5-4 | 3-- | 1 1 7 | $\widehat{1 \cdot 2}$ 3 | 2-1 | 2-- |
 灵是神的荣耀本质，也是神的神圣所是；

3 3 3 | 3 - 3 | 6-5 | 4-- | 2 5 4 | 3 - 1 | 1-7 | 1-- ||
 与神接触，享神丰富，必须藉灵，舍此无路。

2 3 3 3 | 3-3 | 5-4 | 3-- | 1 1 7 | $\widehat{1 \cdot 2}$ 3 | 2-1 | 2-- |
 灵也是人最深部分，全人里面 灵是最真；

3 3 3 | 3 - 3 | 6-5 | 4-- | 2 5 4 | 3 - 1 | 1-7 | 1-- ||
 要作真人，要摸着神，必须从灵，才能入门。

1/4

经历神 — 在灵里

F大调

3/4

3 3 3 | 3-3 | 5-4 | 3-- | 1 1 7 | $\widehat{1 \cdot 2}$ 3 | 2-1 | 2-- |

3 神是要人以灵拜灵，享受祂作 一切供应；

3 3 3 | 3 - 3 | 6-5 | 4-- | 2 5 4 | 3 - 1 | 1-7 | 1-- ||

祂灵要进 人灵里面，使人与祂 灵里相联。

3 3 3 | 3-3 | 5-4 | 3-- | 1 1 7 | $\widehat{1 \cdot 2}$ 3 | 2-1 | 2-- |

4 灵灵相交,灵灵响应，二灵调和 成为一灵；

3 3 3 | 3 - 3 | 6-5 | 4-- | 2 5 4 | 3 - 1 | 1-7 | 1-- ||

人灵作了 神灵居所，神灵成为 人灵生活。

2/4

经历神 — 在灵里

F大调

3/4

5 3 3 3 | 3-3 | 5-4 | 3-- | 1 1 7 | $\widehat{1 \cdot 2}$ 3 | 2-1 | 2-- |
 须凭人灵接触神灵，才能得享 神的丰盛；

3 3 3 | 3 - 3 | 6-5 | 4-- | 2 5 4 | 3 - 1 | 1-7 | 1-- ||
 在人灵里 神灵同在，才能向神 献上敬拜。

6 3 3 3 | 3-3 | 5-4 | 3-- | 1 1 7 | $\widehat{1 \cdot 2}$ 3 | 2-1 | 2-- |
 福音造就聚会交通，都该将人 带进灵中；

3 3 3 | 3 - 3 | 6-5 | 4-- | 2 5 4 | 3 - 1 | 1-7 | 1-- ||
 读经听道 或听见证，都该化祷，灵中响应。

3/4

经历神 — 在灵里

F大调

3/4

7 3 3 3 | 3-3 | 5-4 | 3-- | 1 1 7 | $\widehat{1 \cdot 2}$ 3 | 2-1 | 2-- |
 灵里祷告,灵里事奉, 灵里摸着 神圣生命;

3 3 3 | 3 - 3 | 6-5 | 4-- | 2 5 4 | 3 - 1 | 1-7 | 1-- ||
 灵里长进,灵里建造, 灵里显出 基督荣耀。

8 3 3 3 | 3-3 | 5-4 | 3-- | 1 1 7 | $\widehat{1 \cdot 2}$ 3 | 2-1 | 2-- |
 主阿,我愿回到灵里, 学习摸着 你的自己;

3 3 3 | 3 - 3 | 6-5 | 4-- | 2 5 4 | 3 - 1 | 1-7 | 1-- ||
 你灵我灵 不断交流, 涌流生命 直到永久!

4/4